सिक्किम विश्वविद्यालय
स्थापित: 2007

Volume: VI
Issue: VIII
Nov. & Dec. '18

सिक्किम विश्वविद्यालय क्रॉनिकल

संपादकीय

प्रिय पाठक,
एसयू क्रॉनिकल के नवंबर/दिसंबर के अंक में दो महीनों के दौरान हुए कुछ कार्यक्रमों और गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। इन कार्यक्रमों के प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन से जागरूकता पैदा करने में मदद मिली है जो शिक्षण-अधिगम का माहौल बनाने में सहायक हुआ है।
सूसा द्वारा आयोजित समुदाय आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम बहुत जीवंत और रंगीन था। छात्रों ने सिक्किम और भारत के विभिन्न प्रान्तों के विभिन्न समुदायों के जातीय नृत्य और पहनावा प्रदर्शित किया । विश्वविद्यालय के कावेरी हॉल में आयोजित पूरे दिन के कार्यक्रम ने विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के छात्रों को एक साथ लाया, जिससे छात्रों को अलग-अलग होते हुए भी एक साथ होने का एहसास कराया गया।
मुझे आशा है कि आप पढ़ने का आनंद लेंगे।

कुंजिनी प्रकाश दर्नाल

उद्यमिता/व्यापार योजना प्रतियोगिता

सिक्किम विश्वविद्यालय के नवाचार और उद्यमिता विकास (आईईडी) प्रकोष्ठ ने ५ नवंबर २०१८ को कावेरी हॉल में एक उद्यमिता/व्यापार योजना प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों द्वारा बनाई गयी परियोजना के माध्यम से उनकी उद्यमिता क्षमता और कौशल का प्रदर्शन करना था। प्रतिभागियों द्वारा दर्शकों के साथ बातचीत के लिए परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया।

आयोजन का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो अविनाश खरे द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, संकाय सदस्यों और छात्रों की उपस्थिति में किया गया। प्रतियोगिता में दस टीमों ने भाग लिया जिसमें जनसंचार और भूविज्ञान विभाग से प्रत्येक से दो-दो सदस्य और कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग से छः सदस्य शामिल थे।
पहला पुरस्कार भूविज्ञान विभाग से तुषार गोगोई, मून मून दास और अभिजीत शर्मा को "ऊर्जा मांग में कमी और इमारतों पर वायु हीट एक्सचेंजर का उपयोग करते हुए जलवायु परिवर्तन को कम करना" शीर्षक परियोजना के लिए प्रथम पुरस्कार और इसके बाद कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग के बिकी चौहान और केशांग शेर्पा को उनकी परियोजना "प्रशिक्षण और नियुक्ति प्रकोष्ठ" के लिए द्वितीय पुरस्कार तथा कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग से रोशन कुमार शर्मा और आशीष प्रधान को "छबियों के उपयोग करते हुए स्टेग्नोग्राफ़ी - डेटा सुरक्षा में सुधार के लिए दृष्टिकोण" शीर्षक परियोजना के लिए तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया था।

प्रतियोगिता में डॉ. अभिजीत दत्ता, डीन, व्यावसायिक अध्ययन विद्यापीठ, डॉ. अमिताभ भट्टाचार्य, सह प्राध्यापक और अध्यक्ष, भौतिकी विभाग, डॉ. धनीराज छेत्री, सह प्राध्यापक और अध्यक्ष, वनस्पति विभाग और डॉ. संध्या थापा, सह प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभाग निर्णायक थे ।

इस अंक में :

संपादकीय
उद्यमिता/व्यापार योजना प्रतियोगिता
सूसा द्वारा आयोजित गतिविधियां
विश्वविद्यालय प्रबंधन में सूचना प्रौद्योगिकी की उभरते प्रवृत्तियाँ पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला- एक संक्षिप्त रिपोर्ट
सूसा द्वारा आयोजित समुदाय आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम

Mailing Address: suchronicle@cus.ac.in

सूसा द्वारा आयोजित गतिविधियां

सिक्किम विश्वविद्यालय छात्र संघ (सूसा) को विश्वविद्यालय के छात्रों का प्रतिनिधित्व करता है और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, विकसित करने और उपलब्ध कराने तथा शैक्षिक विचार-विमर्श के साथ सहायता करने का प्रयास करता है। यह छात्र जीवन को बढ़ाने के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक, खेल और मनोरंजक गतिविधियों, मंचों और अन्य बयानबाजी गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहता है। इसका उद्देश्य प्रकृति के संरक्षण के लिए एक पर्यावरनिक जागरूकता पैदा करना है।

सूसा के लक्ष्यों और उद्देश्यों के प्रकाश में सूसा ने कई गतिविधियों का आयोजन किया, जिनमें से कुछ निम्नलिखित हैं :
दिनांक २९ सितंबर २०१८ को सूसा ने कावेरी हॉल में एक अंतर्राष्ट्रीय एनजीओ - बदलाव की पहल के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र और नागालैंड के आईओएफसी स्वयंसेवकों के विचार-विमर्श हुए। आईओएफ़सी एक गैर-सरकारी संगठन है, जो कौक्स, स्विट्ज़रलैंड में स्थित है। इसके पहले अध्यक्ष कॉर्नेलियो सोमारुगा थे, जो रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष थे। उनके उत्तराधिकारी संयुक्त राष्ट्र महासचिव कोफी अन्नान के पूर्व वरिष्ठ सलाहकार मोहम्मद सहन्नून थे । आईओएफ़सी का दृष्टिकोण एक शांतिपूर्ण और स्थायी दुनिया बनाना है, जिसके लिए हर कोई अंतरात्मा की आवाज़ सुने और उसके अनुरूप प्रतिक्रया दें और अपना अद्वितीय योगदान दें।

विश्वविद्यालय खेल बोर्ड और सूसा द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक २६ से २८ अक्टूबर २०१८ तक सिक्किम मणिपाल विश्वविद्यालय वॉलीबॉल कोर्ट में वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया था। आयोजन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। लड़कों में विजेता रसायन विभाग से थे और लड़कियों में से विजेता लेप्चा विभाग के थे।

दिनांक ११ नवंबर २०१८ को सूसा ने एक इंटर कॉलेज फोटोग्राफी प्रदर्शनी सह प्रतियोगिता का आयोजन किया था। प्रतियोगिता के लिए दो श्रेणियां थीं- प्रोफेशनल कैमरा फ़ोटोग्राफ़ी और मोबाइल कैमरा फ़ोटोग्राफ़ी। प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागी किसी भी एक विषय के अंतर्गत प्रतिस्पर्धा कर सकते थे, जो थे- समाज की विभिन्न समस्याएं और पूर्वी हिमालय की प्राकृतिक विविधता।

१ नवंबर २०१८ को सूसा ने "उत्थान" के लिए एक स्क्रीनिंग कार्यक्रम आयोजित किया। उत्थान युवा संसद एक ऐसा मंच है, जहाँ देश भर के छात्र एक साथ बातचीत करने, बहस करने, वाद-विवाद करने और अपनी राय साँझा करने और फोटोग्राफी, वीडियो-ग्राफी के माध्यम से या सभी के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने में मदद करने के लिए राष्ट्रीय महत्व के विषयों/मुद्दों पर अपना विचार व्यक्त करते हैं । यह उचित प्रदर्शन और चर्चा के माध्यम से हमारे देश के लोगों द्वारा सामना किए जाने वाले विभिन्न मुद्दों और समस्याओं से निपटने का इरादा रखता है, जो कानून बनाने की प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों के साथ-साथ युवा कलाकारों और विचारकों की नीतियों और सुधारों को शामिल किया जा सकता है। कार्यक्रम छात्रों को अपनी संस्थाओं को राष्ट्रीय स्तर का प्रतिनिधित्व करने तथा उनकी प्रतिभायों के प्रदर्शन के लिए एक मंच प्रदान करता है। नकद पुरस्कार जीतने के अलावा छात्रों को प्रख्यात सांसद, आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने का अवसर भी मिलेगा। छात्रों द्वारा किया गया कामों को प्रासंगिक और संतोषजनक पाया जाने पर प्राधिकारी द्वारा उसे करीबी परीक्षण और कार्यान्वयन के लिए अन्य समितियों की सिफारिश की जा सकती है।

सिक्किम विश्वविद्यालय के छात्रों को एक मंच प्रदान करने के इरादे से छात्र दिनांक १९ जनवरी से २० जनवरी २०१९ के बीच दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले “उत्थान युवा संसद” में भाग लेंगे।

"विश्वविद्यालय प्रबंधन में सूचना प्रौद्योगिकी की उभरती प्रवृत्तियाँ" पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला"

सुश्री सर्बदा प्रधान, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष और सुश्री कुंजिनी प्रकाशदर्नाल,जनसपर्क अधिकारी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू), नई दिल्ली और आईसीएफ़एआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के विज्ञान संकाय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय प्रबंधन में सूचना प्रौद्योगिकी की उभरते रुझान पर दिनांक १ दिसंबर से ३ दिसंबर २०१८ तक के दौरान एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सबसे महत्वपूर्ण समकालीन विषयों में से एक शैक्षिक क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के क्षेत्र पर आयोजित इस कार्यक्रम में पूरे भारत के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों के कुल 28 विश्वविद्यालय के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।
कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री सुदीप रॉय बर्मन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पर्यावरण, उद्योग और वाणिज्य, पीडब्ल्यूडी, सरकार और डॉ. अमरेन्द्र पानी, उपनिदेशक, अनुसंधान प्रभाग, आईएयू की उपस्थिति में आईसीएफ़एआई विश्वविद्यालय, त्रिपर के प्रति-कुलपति श्री विपलब हलदार द्वारा किया गया था।

पहले तकनीकी सत्र में डॉ. सतीश जेंडे, व्यवसाय लेखा प्रबंधन, डिजिटल यूनिवर्सिटी बिजनेस डेवलपमेंट प्रोग्राम एमकेसीएल पुणे ने विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली में छात्रों के जीवन चक्र प्रबंधन प्रणाली, डिजिटल यूनिवर्सिटी फ्रेमवर्क, बेस्ट प्रैक्टिसेज पर चर्चा की। डॉ. जेंडे ने सुरक्षित दूरस्थ प्रश्न-पत्र प्रणाली, प्रत्यायन ढाँचे- का निर्माण दृष्टिकोण, कागज रहित प्रशासन - डब्ल्यूएफएमएस, पीएचडी छात्रों की जीवन चक्र प्रबंधन प्रणाली पर भी प्रदर्शन प्रस्तुत किया।

कार्यशाला का दूसरा दिन एक तकनीकी सत्र के साथ शुरू हुआ, जिसमें श्री सम्राट मुखर्जी, अध्यक्ष, बिगडेटा प्रैक्टिस, डिजिटल एंड एंटरप्राइज ट्रांसफॉर्मेशन बिजनेस यूनिट, टीसीएस कोलकाता द्वारा व्याख्यान प्रदान किया गया। यह सत्र आईटी इंडस्ट्री के पिलर्स ऑफ बिग डेटा वॉल्यूम स्केल डेटा, वेलोसिटी पेस ऑफ़ डेटा, विभिन्न डेटा फॉर्मेट और बिग डेटा की विशेषताओं में उन्नत डिजिटल रुझानों पर केंद्रित था। उन्होंने क्लाउड कम्प्यूटिंग को कंप्यूटर हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और नेटवर्क को एक उपयोगिता, जैसे बिजली कंपनी, पानी या गैस कंपनी में रूपांतरण के रूप में वर्णित किया।
अगले तकनीकी सत्र में श्री राजगोपाल यादवल्ली, संस्थापक और एमडी विन्नौ सिस्टम्स एंड सर्विसेज (पी) लिमिटेड ने आईसीएफएआई विश्वविद्यालय त्रिपुरा की ईआरपी प्रणाली, छात्रों को एक साथ संदेश भेजने की प्रक्रिया, छात्रों के पंजीकरण की सरल प्रक्रिया, प्रतिक्रिया प्रणाली के लिए दोनों छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए प्रतिकृया प्रणाली और कक्षा में उपस्थिति प्रदान करने की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रीय किया।
कार्यशाला के दूसरे दिन सभी प्रतिभागियों और संसाधन व्यक्तियों को दोपहर के भोजन के बाद आईसीएफएआई विश्वविद्यालय त्रिपुरा के समन्वयक और उनकी टीम के साथ अगरतला शहर का भ्रमण कराया गया। कार्यशाला के तीसरे और अंतिम दिन की शुरुआत श्री नीलकमल दे पुरकायस्थ, वैज्ञानिक-सी, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) त्रिपुरा द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान से हुई। उन्होंने उन्नत लचीले आईटी अनुप्रयोगों के साथ विभिन्न संस्थानों में नवीनतम विकास पर चर्चा की। उनका मुख्य क्षेत्र फ्री ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर सिस्टम्स पर था, जो एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर के विकास, तैनाती और कार्यान्वयन के लिए कुछ उपयोगी ओपन सोर्स टूल थे। अगले तकनीकी सत्र में डॉ. प्रसेनजीत दासगुप्ता, प्रोफेसर, एफएमएस, आईसीएफएआई विश्वविद्यालय,त्रिपुरा ने प्रबंधन अध्ययन में सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।
डॉ. दासगुप्ता ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर नियोजन, निगरानी, विश्लेषण और मूल्यांकन की एक सामान्य प्रक्रिया के रूप में रणनीतिक प्रबंधन पर बात की और कुछ संकेतकों के तहत प्रदर्शन की प्रभावशीलता की निगरानी के महत्व पर जो संगठन को यह निर्धारित करने में मदद करते हैं कि क्या वे सही दिशा में अग्रसर हो रहे हैं या दिशा बदलने की जरूरत है। कार्यशाला समापन सत्र के साथ समाप्त हुई।

समुदाय आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम

सिक्किम विश्वविद्यालय छात्र संघ (सूसा) ने दिनांक ३ नवंबर २०१८ को एक "समुदाय आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम" का आयोजन किया। सिक्किम विश्वविद्यालय "अनेकता में एकता" वाक्यांश का एक उदाहरण है, क्यूंकि इस विश्वविद्यालय में देश के विभिन्न प्रान्तों के छात्र अध्ययन कर रहे हैं और सद्भाव के साथ रह रहे हैं। प्रत्येक छात्र सांस्कृतिक मूल्यों और परंपरा के एक समूह का प्रतिनिधित्व करता है, जो प्रशंसनीय है। विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक विविधता को उजागर करने के प्रयास में सुसा ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें उन्होंने कुलपति प्रो. अविनाश खरे का भी स्वागत किया। कार्यक्रम में सिक्किम और भारत के अन्य राज्यों के विभिन्न समुदायों के कई नृत्य प्रदर्शित किए गए।